Raga of the Month March 2023 Raga GovindManjari राग गोविंदमंजरी

राग गोविंदमंजरी यह एक अप्रचलित राग है। इस रागकी संकल्पना, रचना एवं सृजन पंडित गोविन्द नारायण नातूजीने किया है। इस रागका संक्षिप्त वर्णन " गीत समूह " इस किताबमे दिया हुआ है। कर्नाटक संगीतके २१ वे मेलकर्ता किरवाणीसे यह राग उत्पन्न होता है। रागमे गंधार और धैवत कोमल, और अन्य स्वर शुद्ध लगते हैं । आरोह सम्पूर्ण है, अवरोह में धैवत वर्जित है। वादी स्वर षड्ज और संवादी पंचम है। अवरोहमे निषाद का प्रयोग वक्र यानि सां नि सां प और मध्यम का प्रयोग प मप ग इस प्रकार किया गया है। यह राग रात्रिके दूसरे प्रहरमे गाया जाता है। इस स्वनिर्मित रागको पंडित गोविन्द नारायण नातूजीने नाम नहीं दिया था। उनके स्मरणमे पंडित यशवंत महालेजीने इस रागको " गोविंदमंजरी " यह नाम दिया है। इस राग का आरोह अवरोह निम्न प्रकारसे होगा।

आरोह - सा, रे मग, म प, ध नि सां ; अवरोह - सां नि सां प, म प, ग, रे सा ।

किताबमे दिया हुआ साधारण चलन और स्वर विस्तार नीचे दिया हुआ है।

साधारण चलन : सा, रे मग, म रेसा, रे ग, म प मग, रेसा (नि), ध नि सा,
रे मग, म प, ग, म रेसा, ध नि सा रे ग, म रे सा ।

स्वरविस्तार :

१) सा, नि सा, प, म प, ध नि, सा, रे मग, म प, ग, (नि), ध नि सा, रे, ग म, रे सा ।

२) मग, मरे सा, प, म प, ध नि, सा रे, मग, म प, ग, (नि), ध नि सा रे, सा।

३) ग, रेसा नि, ध नि सा प, म प निध नि, ध नि, सा नि, रे सा, रे नि, सा ग, रे ग म, प ग, (नि), सा रे ग म, रे सा ।

४) प, म प, मग, म, रे ग (नि), ध नि सा रे ग, म प, ध नि, प ध, म प, ग, रे सा (नि), सा नि, रे सा, रे नि, सा, ग रे ग म प, ग, रे (सा) नि, सा ।

५) सा, रे मग, म प, रे ग म, ग म प, म प ध नि, ध नि सां, रें नि सां, प, म प, ध नि, म प सां, ध नि सां रें, गं, (नि), सां रें सां, प, म प गं, सां (नि), सां रें सां, प, म प, ग, रे ग, म रेसा, (नि), ध नि सा रे, निसा ।

आजके ऑडियोमें हम पंडित गोविन्द नारायण नातूजीरचित विलम्बित रचना सुनेंगे, जो उनके शिष्य पंडित यशवंत महालेजीने गायी हुई है।

संदर्भ : " गीत समूह "; रचनाकार पंडित गोविन्द नारायण नातू.
आभार : संस्कार प्रकाशन ; और पंडित यशवंतबुवा महाले.

१-३-२०२३

Link to the list of 140+ Raga of the month articles -

@ Archive of ROTM Articles - http://oceanofragas.com/Raga_Of_Month_Alphabetically.aspx